प्रकाशक/स्वामीत्व
रजनी (पुत्री-महेश धावनिया)

डाक पंजियन संख्या : JaipurCity/423/2017-19

श्री बाबा

सभी पाठकों को बाबा रामदेव जयन्ती की हार्दिक शुभकामनाएं

प्रधान कार्यालय-सी-57, महेश नगर, जयपुर-15, मो.-9928260244 हिन्दी मासिक समाचार पत्र 7073909291 E-mail:shreebaba_2008@yahoo.com

वर्ष : 11 अंक : 7 आर.एन.आई. नं. : RAJHIN/2008/24962 जयपुर, 5 सितम्बर, 2018 मूल्य : 5 रुपए प्रति पृष्ठ : 4

पायलट-गहलोत-जोशी ने एक मंच से किया चुनावी शंखनाद

चित्तौड़गढ़। मेवाड़ में सीएम राजे की गौरव यात्रा के बाद कांग्रेस ने कृष्णधाम सांवलियाजी में पहली संभागीय संकल्प रैली से चुनावी आगाज किया। प्रदेश के

तमाम बड़े नेताओं ने एक मंच पर एकजुटता का संदेश दिया। प्रदेश कांग्रेस ने जयपुर में 11 अगस्त को राहुल गांधी के रोड शो के बाद शुक्रवार को हुई रैली को प्रदेश अध्यक्ष सचिन पायलट, पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. सीपी जोशी व राजस्थान प्रभारी अविनाश पांडे, नेता प्रतिपक्ष रामेश्वर डूडी, पूर्व केंद्रीय मंत्री भंवरजितेंद्र सिंह आदि ने संबोधित किया।

पायलट का 11वां सवाल

रिफाइनरी का काम 4 साल तक रोककर क्या गौरव पहुंचाया ?

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष सचिन पायलट ने सीएम राजे से 11वां प्रश्न पूछा है कि बाड़मेर रिफाइनरी के कार्य 4 साल बाद शुरू करके मारवाड़ की जनता के हितों को नुकसान पहुंचाने, आर्थिक उन्नति को बाधित करने पर क्या मुख्यमंत्री गौरव महसूस करती हैं ? सितंबर 2013 में यूपीए चेयरपर्सन सोनिया गांधी ने बाड़मेर रिफाइनरी का शिलान्यास किया था, जिसमें पेट्रो केमिकल कॉम्पलेक्स का विकास भी शामिल था।

मुख्यमंत्री ने योजनाओं का लाभ पात्रों तक पहुंचाने के लिए आमजन से अपील की: वसुन्धरा राजे

जयपुर। मुख्यमंत्री श्रीमती वसुन्धरा राजे ने आमजन से कहा है कि वे राज्य सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी उनके पात्रों को देकर उन्हें इन योजनाओं का लाभ दिलवाने में सहायता करें। उन्होंने कहा कि जनकल्याणकारी योजनाओं को पात्रों तक पहुंचना राज्य सरकार की प्राथमिकता है।

श्रीमती राजे जालोर जिले के बागरा में आहोर विधानसभा क्षेत्र के लिए विभिन्न विकास कार्यों के लोकार्पण एवं शिलान्यास समारोह को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि भामाशाह स्वास्थ्य बीमा योजना, राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम, उज्ज्वला योजना सहित अनेक योजनाओं के लाभार्थियों को उनका अधिकार दिलाने में आम लोग भी भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के लाभार्थी कुलदीप से उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली। कुलदीप ने बताया कि उसकी दिल में छेद की बीमारी का उदयपुर जिले के गीतांजलि अस्पताल में एक महीने तक इलाज चला और उसके परिवार को एक भी पैसा खर्च नहीं करना पड़ा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसी योजनाओं का लाभ दूसरे लोगों तक पहुंचाना पुण्य का काम है। इसलिए अपने आसपास रहने वाले मरीजों को ऐसी योजनाओं की जानकारी अवश्य दें। राज्य सरकार द्वारा शुरू किए गए विभिन्न विकास कार्यक्रमों और योजनाओं के चलते राजस्थान अब विकास की राह पर आगे बढ़ रहा है।

श्रीमती राजे ने कहा कि राज्य सरकार ने प्रदेश की लगभग 10 हजार ग्राम पंचायतों में से 6 हजार में एक साथ स्कूलों का क्रमोन्नयन करने का निर्णय लागू किया है। राज्य में शिक्षा के स्तर में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। इसी प्रकार स्वास्थ्य एवं चिकित्सा क्षेत्र की बेहतरी के लिए हम प्रदेश में 7 नए मेडिकल कॉलेज खोल रहे हैं, जिससे चिकित्सकों की कमी पूरी हो सकेगी। (शेष पृष्ठ 3 पर)

समर्पण संस्था द्वारा स्वतंत्रता दिवस पर ध्वजारोहण, विचार गोष्ठी व पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित

शिक्षा में सुधार के लिए नियामक बॉडी का होना जरूरी: बीरी सिंह सिनसिनवार

जयपुर। ''शिक्षा में सुधार के लिए एक नियामक बॉडी का होना बहुत जरूरी है। शिक्षा एक ऐसा विषय है जिसकी घर से लेकर सरकार तक सबकी बराबर जिम्मेदारी है। शिक्षा प्रणाली के लिए एक ऐसा तंत्र निष्पक्ष व प्रभावी होना चाहिए जो निजी शिक्षण संस्थाओं पर नियंत्रण कर सके।'' उक्त विचार आज समर्पण संस्था द्वारा प्रताप नगर कार्यालय पर आयोजित स्वतंत्रता दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रुप में बोलते हुए वरिष्ठ अधिवक्ता श्री बीरी सिंह सिनसिनवार ने व्यक्त किये।

श्री सिनसिनवार ने कहा कि नियामक बॉडी राजनीति से अलग होगी तब ही वह सही मायने में काम कर सकेगी। इससे पूर्व संस्था कार्यालय के सामने मुख्य अतिथि के साथ विशिष्ट अतिथि व संस्था के पदाधिकारियों ने (शेष पृष्ठ 3 पर)

आचार्य समूह संस्थान ने बैरवा समाज के सभी संगठनों से किया आग्रह

जयपुर। बैरवा महासभा के प्रदेशाध्यक्ष को आचार्य समूह संस्थान के द्वारा पत्र लिखकर कहा है कि आप द्वारा 2 सितम्बर, 2018 को गुलाब विहार गार्डन, श्योपुर रोड, सांगानेर, जयपुर पर सामूहिक गोठ का आयोजन किया जा रहा है। इस संदर्भ में निवेदन है किया है कि रविवार दिनांक 22 जुलाई, 2018 को शिव, रामदेव मन्दिर बजाज नगर, जयपुर में आचार्य समूह द्वारा आयोजित बैरवा समाज के विभिन्न संगठनों, संस्थानों की संयुक्त बैठक में इस आशय का निर्णय लिया गया था कि समाज की सामूहिक गोठ किसी एक व्यक्ति, संस्था द्वारा आयोजित न कर समाज के सभी संगठनों, संस्थाओं से चयनित प्रतिनिधियों द्वारा गठित ''एकिकृत फोरम'' द्वारा ही सामूहिक गोठ का आयोजन किया जावे।

इस निर्णय में आपके प्रतिनिधि भी शामिल थे। ये निर्णय समाज को संगठित करने की दिशा में हम सभी का प्रयास था, किन्तु आप द्वारा इस निर्णय की अनदेखी कर गोठ का आयोजन करना एकता के प्रयास पर सीधा प्रश्नवाचक चिन्ह लगाता है। अत: आपसे पुन: अनुरोध है कि गोठ करने से पूर्व समाज के सभी संगठनों, संस्थाओं की बैठक बुलाई जावे और सभी संस्थाओं के बैनर तले (जिसमें सभी संगठनों के नाम अंकित हो) गोठ का आयोजन किया जावे। जिससे समाज में एकता का संदेश जाये।

हम सब एक है, संस्थाएं पेड़ की डालियाँ है और आपकी महासभा समाज का मूल है। अत: अगर इस स्तर पर गोठ का आयोजन किया जाता है तो यह प्रयास समाज की एकता का प्रथम सोपान होगा। आशा है आप इस पत्र पर उदारमना होकर समाज हित में अतिशीघ्र उचित निर्णय लेकर समस्त संस्थाओं को अपने निर्णय से अवगत करवायेंगे।

समाचार विज्ञापन संकलन

श्री बाबा समाचार पत्र की प्रकाशन तिथि प्रत्येक माह की 5 तारीख है। अत: समाचार एवं विज्ञापन आदि के प्रकाशन के लिए विज्ञप्ति, फोटो आदि सामग्री माह की 20 तारीख तक पूर्ण विवरण के साथ भिजवा दें। सम्पर्क करें:

श्री बाबा whatsapp 7073909291

सी-57, महेश नगर, 80 फीट रोड, जयपुर-15

मो.-9928260244 E-mail : shreebaba_2008@yahoo.com

सभी को
बाबा रामदेव जयन्ती
की
हार्दिक शुभकामनाएं

महेश धावनिया

प्रदेशाध्यक्ष

प्रान्तीय बैरवा प्रगति संस्था, राजस्थान

सी-57, महेश नगर, 80 फीट रोड, जयपुर-15

मो.-9928260244, 7073909291

सम्पादकीय

ईवीएम से ही चुनाव

यह अच्छा हुआ कि चुनाव आयोग ने सर्वदलीय बैठक में मतपत्रों से चुनाव कराने की मांग खारिज कर दिया। इसके बाद ईवीएम बनाम मतपत्र पर बहस बंद हो जानी चाहिए। चुनाव आयोग ने यह बैठक पिछले कुछ समय से चुनाव को लेकर उठे सारे सवालों पर राजनीतिक दलों से विचार-विमर्श के लिए बुलाया था। जाहिर है, उसमें सारे मुद्दे उठे। एक साथ चुनाव और चुनावी खर्च से लेकर चुनाव पण्राली में बदलाव तक पर। किंतु सबसे बड़ा मुद्दा ईवीएम ही था। कांग्रेस सहित कई पार्टीयों ने ईवीएम को हटाकर उसकी जगह मतपत्रों से चुनाव कराने की मांग रखी। आयोग ने स्पष्ट कहा कि ईवीएम अभी तक शत-प्रतिशत सुरक्षित निकला है। वैसे भी राजनीतिक दलों की मांग पर आयोग ने शत-प्रतिशत वीवीपैट की व्यवस्था कर दी है। ईवीएम में डाले गए मतों का कुछ जगहों पर वीवीपैट से मिलान भी किया गया और यह पूरी तरह समान निकला। ऐसे में आयोग से यही रु ख अपनाने की उम्मीद भी थी। यह बात स्पष्ट हो चुकी है कि राजनीतिक दलों का ईवीएम पर प्रश्न उठाना ठोस तयों और तकरे पर आधारित नहीं रहा है। जब भी चुनाव मे बुरी तरह हारे ईवीएम से छेड़छाड़ का आरोप लगा दिया, जब जीत गए तो चुप। ईवीएम पर प्रश्न उठाया प्रकारांतर से चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर प्रश्न उठाना है। राजनीतिक दलों ने तो आपसी लड़ाई में पिछले मुख्य चुनाव आयुक्त तक को घसीट दिया।

इस समय राजनीतिक दलों में एक-एक बिंदु पर जितने मतभेद हैं, उन सबका संज्ञान लिया जाए तो फिर चुनाव संपन्न करना ही असंभव हो जाएगा। ईवीएम को हैक करने, उसमें छेड़छाड़ करने के दावों को साबित करने के लिए आयोग ने दो बार चुनौती दी। आयोग के नियत समय पर कोई साबित करने नहीं पहुंचा। ईवीएम एक राजनीतिक मसला है तो इससे आयोग को अप्रभावित रहना स्वाभाविक है। उसे यह देखना था कि ईवीएम पण्राली पूरी तरह सुरक्षित और विश्वसनीय है या नहीं। बावजूद इसके आयोग ने कहा कि राजनीतिक दलों ने जो भी सुझाव दिए हैं या मांग रखें हैं, उन पर विचार कर वह सबको संतुष्ट करने का पूरा प्रयास करेगा। हमारा मानना है कि वीवीपैट एवं ईवीएम जितना व्यावहारिक है, उसे आयोग को स्वीकारना चाहिए। जो व्यावहारिक नहीं हैं, उन पर विचार करना समय जाया करना होगा। राजनीतिक दलों से भी आग्रह है कि वह इस विवाद को खत्म करें और चुनाव आयोग की ईमानदारी पर विश्वास बनाए रखें।

सदस्यता शुल्क

वार्षिक सदस्यता

100 रुपए

विशिष्ट द्विवार्षिक सदस्यता

500 रुपए

साथ में पाएं दो वैवाहिक एवं एक क्लासीफाइड डिस्प्ले विज्ञापन बिल्कुल मुफ्त

आजीवन सदस्यता

2100 रुपए

संरक्षक सदस्यता

5100 रुपए

बहुजनों की दुर्दशा का जिम्मेदार कौन ?

'**अपनी** दुर्दशा के लिए दूसरों को उत्तरदायी ठहराने से यह पता चलता है कि व्यक्ति में सुधार की आवश्यकता है। स्वयं को दोषी ठहराने से यह पता चलता है कि सुधार आरंभ हो गया है। और किसी को भी दोषी नहीं ठहराने का अर्थ यह है कि सुधार पूर्ण हो चुका है।'

मैं आपको कड़वा सच बताऊ तो इस सब दुर्दशा का सीधा जिम्मेदार बहुजन लोग खुद ही हैं। सारे संसार का इतिहास उठा कर देख लो कभी किसी कौम का, कभी किसी कौम की सत्ता आती-जाती रहती है, पर ऐसी क्या वजह है कि एक बात इनके हाथों से सत्ता छूटी तो बस आज तक नहीं आ पा रही है। इसकी दो वजह हैं-

1. न केवल परास्त किया बल्कि अपने कूटनीति और ज्ञान से ये सुनिश्चित् किया कि आगे ये लोग सर न उठा सके।

2. बहुजन लोग अमन के दिनों में संगठित होकर संघर्ष नहीं करते।

आप खुद अपने आपको एक न्यायकर्ता की जगह रखकर एक बहुजन और एक सवर्ण की हरकतों, आदतों और चाल-चलन का अध्ययन करके देखिये, आपको पता चल जायेगा कि सवर्ण चाहे सुखी हो या दु:खी, संघर्ष और संगठन जारी रखता है। परंतु बहुजन सुख में सब भूल जाता है। इस तथ्य का कई उदाहरण देकर भी यहां समझाया जा सकता है, पर वो इस विषय के संबंध में सम्मत न होगा। समझदार के लिए इशारा काफी है। अपने निजी जीवन के लिहाज़ से भी कहो तो मुझे दलितों से खासकर मेरे अपने रिश्तेदारों से कभी कोई लाभ नहीं हुआ, उल्टा कई मामलों में नुकसान ही मिला है। अगर किसी दलित ने मेरा साथ दिया तो वह वहीं है जिसे इन सारी बातों का अहसास है और वो संगठन के महत्व को समझता है।

अगर बाबा साहब की किताब 'आजादी के लिए धर्म परिवर्तन' एक दलित को दे दो, एक सवर्ण को दे दो तो सवर्ण न केवल इससे लाभ उठा लेगा बल्कि वो ज्ञान की दशा और दिशा का अंदाज़ा लगाकर इस साहित्य के दमन की सोचेगा। जबकि अपनी जिन्दगी जोखिम में डाल कर, जिनके लिए ये साहित्य लिखा गया है वो इसका कोई लाभ नहीं उठा पायेगा, ऐसा क्यों ? इसकी मुख्य वजह केवल एक ही है 'कुछ दलितों का निकम्मापन।' दूसरे शब्दों में कहूं तो व्यक्तिगत्, सामाजिक और कूटनीतिक क्षमता का न होना।

किसी भी व्यक्ति या कौम की दुर्दशा होने की शुरुआत उसी क्षण से होती है जब वो तथ्यों या ज्ञान की बातों को 'नज़रअंदाज और अनसुना' करना शुरू करता है। आप खुद ये बात नोट करें कि जो ना कामयाब व्यक्ति होगा, वो ज्ञान की बात को पूरा सुनने से पहले ही ख़ारिज कर देगा, जबकि कामयाब आदमी हर बात को पहले सुनता है, सोचता है, फिर उसे अपनाता या ख़ारिज करता है। संसार में सब कुछ है, ये हम पर है कि हम क्या चुनते हैं, चुनाव के लिए ज्ञान होना जरूरी है, ज्ञान के लिए जानना जरूरी है और जानने के लिए धैर्य से सुनना और समझना जरूरी है, समझने के लिए ध्यान देना जरूरी है। सोचों कि स्कूल में एक से अध्यापक और शिक्षा के बावजूद कुछ कामयाब और कुछ ना कामयाब क्यों हो जाते हैं ? जवाब वही है, ध्यान देना या न देना। देखो अपने आस-पास, जो भी गुलाम मानसिकता का व्यक्ति होगा, वो अपने खाली समय में भी बजाए दिमाग पर जोर देने के, सोचने, सुसंगति ढूंढने, पढ़ने, ज्ञान-चर्चा आदि में शामिल होने के, वो गाना बजाने, फ़िजूल की बातों और धार्मिक बाबाओं या स्थलों के चक्कर काटने में अपना समय बर्बाद करेगा। ऐसे लोगों को समझाने की कोशिश करने वाले को दु:खी व निराश और कई बार जान से भी हाथ धोना पड़ता है क्योंकि मूर्ख से बड़ा और कोई दुश्मन नहीं। सदा ध्यान रहे कि हमारा नज़रअंदाज और अनसुना करना और ढीलम-ढाल रवैया हमारी दुर्दशा का मूल कारण है। संसार में दो ही तरह के लोग हैं, एक वो जो जीवन को अपने हिसाब से चलाते हैं, ये शासक बनते हैं, जो गुलामों के भाग्य का फैसला करते हैं। दूसरे वो जो 'नज़रअंदाज और अनसुना' करके जीवन के हिसाब से चलते हैं, ये ही गुलाम हैं। आप सोचिये आप किनमें से हैं। ये एक कड़वा सच है कि बहुजन उद्धार के मिशन को जितना खतरा ब्राह्मणवाद से है उससे कहीं ज्यादा ख़तरा मूर्ख दलितों से है। वो सुनना और समझना ही नहीं चाहते, संघर्ष तो बाद की बात है।

कभी सोचा इतनी घृणा क्यों ? आखिर इतना भी क्या बुरे हैं यहां के ये बहुजन लोग ? इसका सीधा जवाब है निकम्मापन। पर एक बात तय है कि समाज में सभी निकम्मे नहीं। अगर ऐसा होता तो इतने दमन के बावजूद ये कौम आज वर्चस्व में न होती। असल में इस कौम में जो संघर्ष कर रहा है, वो तो जी-जान से लगा है और बहुत ज्ञानी व मेहनती है। परंतु जो नहीं कर रहे हैं उनका निकम्मापन इतना ज्यादा है कि वो सारे संघर्ष को न केवल बर्बाद करते हैं बल्कि हमारे मेहनती लोगों को भी निकम्मों के क़तार में ला खड़ा करते हैं। यही है वो कारण जिसकी वजह से निम्नलिखित दो कहावतें मशहूर हैं -

1. दलित ही दलित का सबसे बड़ा दुश्मन होता है ; पर सक्षम, सक्षम का सबसे बड़ा साथी होता है।

2. जुल्म करने वाले से जुल्म सहने वाला ज्यादा गुनाहगार होता है। हमारे लोगों की अहसान फरामोशी हमारे पतन का मुख्य कारण है। अहसान फरामोश लोग हर कौम में होते हैं। उन्हें छोड़ो। ऐसा केवल हमारा समाज ही नहीं होता, हर समाज में होता है। हिंदुत्व और उसके सवर्ण भी इससे अछूते नहीं हैं, हिंदुत्व के महाज्ञानी स्वामी विवेकानंद ने इस विषय में कहा है।

'यही दुनिया है! यदि तुम किसी का उपकार करो, तो लोग उसे कोई महत्व नहीं देंगे, किन्तु ज्यों ही तुम उस कार्य को बन्द कर दो, वे तुरन्त; ईश्वर न करे, तुम्हे बदमाश प्रमाणित करने में नहीं हिचकिचायेंगे। मेरे जैसे भावुक व्यक्ति अपने सगे - स्नेहियों द्वारा सदा ठगे जाते हैं।' आज हमारे समाज में तीन तरह के लोग हैं।

1. अशिक्षित एवं असक्षम वर्ग।

2. शिक्षित वर्ग पर बहुजन संघर्ष से अपरिचित व

3. शिक्षित, ज्ञानी, सक्षम और संघर्षशील वर्ग।

इनमें से जो पहला वर्ग है, वो जनसंख्या दबाव या भीड़ के रूप में सबसे ज्यादा संघर्ष को आगे ले जा रहा है।

दूसरा वर्ग किसी काम का नहीं, उल्टा ये विभीषण है।

तीसरा वर्ग संघर्ष की अगुवाई करता है। पर इन नए-नए हुए ज्ञानियों में अपने आपको श्रेष्ठ समझने और अन्य को हीन समझने का रोग लग गया है। परिणाम मकसद एक होने के बावजूद ये लोग एक मंच पर नहीं आ पाते। हमारा संघर्षबल है अपना शिक्षित और साधन संपन्न वर्ग। पर दु:ख की बात ये है कि वो अपने सुखों में इतना चूर है कि उसे संघर्ष की जरूरत ही महसूस नहीं होती।

अगर उससे संघर्ष की बात करो तो ऐसे बिदक जाता है कि जैसे अपराध कर दिया हो। एक कहावत है। 'जाके पैर न फटी बिवाई सो का जाने पीर पराई।' जब इनके साथ अन्याय होता है, तब इनको समाज की याद आती है, पर तब तक देर हो चुकी होती है। जिस समाज के सशक्तिकरण में इन्होंने कोई योगदान नहीं दिया, वो समाज इनके लिए तब क्या कर सकेगा ? इसके विपरीत मनुवादी लोग सुख में भी संघर्ष नहीं छोड़ते। इसीलिए वो शासक हैं और हमारे लोग सुख में बावरे होकर सब भूल जाते हैं। इसलिए शोषित होते हैं। क्या हम अपने शोषण के इस मूल कारण को कभी समझ पायेंगे ?

हम सभी जानते हैं कि इस देश में हर व्यक्ति हर वर्ग केवल अपने और अपनी कौम के संवर्धन में लगा है। जिसके लिए वह देश की परवाह न करके किसी भी तरह खुद को सबसे ज्यादा सक्षम बना लेना चाहता है। जिसके लिए भ्रष्टाचार द्वारा धनबल इकठ्ठा किया जा रहा है। ऐसे में हम क्या करें ? **क्रमश:**

वैवाहिक

वर चाहिए

* जयपुर निवासी, 28 वर्ष, शिक्षा-एम.एस.सी., गौत्र-मीमरोठ, जाटवा, बंशीवाल, सामने लकवाल व मुराड़िया ना हो, मो. 7976069646
* जयपुर निवासी, 27 वर्ष, शिक्षा-एम.ए., पिता-राजकीय सेवा, गौत्र-टाटीवाल, बड़गौती (लाड़ोतिया), जारवाल, सामने मेहर ना हो, मो. 8058613154
* बारां निवासी, 26 वर्ष, शिक्षा-बी.ए., एम.एस., पिता-राजकीय सेवा, गौत्र-मीमरोठ, जारवाल, सिवतिया
* जयपुर निवासी, 26 वर्ष, शिक्षा-बी.बी.ए, पीजीडीसीए पिता-राजकीय सेवा, गौत्र-भूराहाड़िया, गोनावत, सिरोहिया, मो. 7597493946
* जयपुर निवासी तलाकशुदा, 23 वर्ष, शिक्षा-बी.ए., एम.ए., पिता-निजी कार्य, गौत्र-टाटीवाल, मेहर, चरावण्डिया, सामने जाटवा ना हो, मो. 9413488484
* दिल्ली निवासी, 28 वर्ष, शिक्षा-बी.एस.सी., एम.बी.ए., पिता-निजी कार्य, गौत्र-लोदवाल, मरमट, बंशीवाल, मो.-0141-2705878, 8952981915
* जयपुर निवासी , 26 वर्ष, शिक्षा-एम कॉम, पिता-बैंक सेवा, गौत्र-बड़गौती, लोदवाल, गुणावत, टाटु, मो. 9829586328
* दिल्ली निवासी, 28 वर्ष, शिक्षा-बी.कॉम, पिता-राजकीय सेवा, गौत्र-जोनवाल, कुण्डारा, सुलानिया, मो. 9810068173
* जयपुर निवासी, 27 वर्ष, शिक्षा-एम कॉम, पिता-राजकीय सेवा, गौत्र-गोठवाल, सिसोदिया, जाटवा, लोडतिया, मो. 9351968820
* जयपुर निवासी, 25 वर्ष, शिक्षा-एम एससी, पिता-राजकीय सेवा, गौत्र-गोठवाल, सिसोदिया, जाटवा, लोडतिया, मो. 9351968820
* जयपुर निवासी, 25 वर्ष, शिक्षा-एम.ए., बी.एड., पिता-निजी कार्य, गौत्र-नागरवाल, चरावण्डिया, जीनवाल, गोमलाडू, मो. 9549781463
* जयपुर निवासी, 35 वर्ष, शिक्षा-बी.ए., पिता-राजकीय सेवा, गौत्र-जीनवाल, सुलानिया, मीमरोठ, मो. 9929369818

वधू चाहिए

* हनुमानगढ़ निवासी, 28 वर्ष, शिक्षा-10वीं पास, प्राईवेट सर्विस, गौत्र-बंशीवाल, चरावण्डिया, नीमरोठ
* जयपुर निवासी, 34 वर्ष, शिक्षा-बीए, एमए, निजी ज्वैलरी कार्य, गौत्र-जोनवाल, कुवाल, लोदवाल+जाटवा, मो.-9829542057
* जयपुर निवासी, 36 वर्ष, शिक्षा-बीए, एलएलबी, कर सलाहकार, गौत्र-जोनवाल, कुवाल, लोदवाल+जाटवा, मो.-9782199234
* जयपुर निवासी, 30 वर्ष, शिक्षा-दसवीं, बिग बाजार में ज्यूस की दुकान पर सर्विस, गौत्र-लोदवाल, गोठवाल, बीलवाल
* गंगापुरसिटी निवासी, 32 वर्ष, शिक्षा-एम.ए., बी.एड., पिता-बैंक सेवा, गौत्र-लोदवाल, माली, बागोरिया, मो.-7073799722, 9530157307
* जयपुर निवासी, 30 वर्ष, शिक्षा-बी.सी.ए., वर्तमान में अशोक लीलैण्ड कम्पनी में अकाउंटेंट, पिता-निजी कार्य, गौत्र-गोठवाल, बड़ोदिया, नागरवाल, टाटीवाल, जाटवा, मीमरोठ, मो.-9950391188
* टोंक निवासी, 23 वर्ष, शिक्षा-बी.बी.ए., एम.बी.ए., पिता-राजकीय सेवा, गौत्र-आकोदिया, मेहरा, गोमलाडू
* टोंक निवासी, 28 वर्ष, शिक्षा-बी.ए., वर्तमान में स्वयं की वेबसाइट डिजाइन ऑफिस, पिता-निजी कार्य, गौत्र-गोमलाडू, मीमरोठ, कुण्डारा, सामने तलावलिया ना हो
* गोनेर (जयपुर) निवासी, 30 वर्ष, शिक्षा-बी.कॉम., कम्प्यूटर इंजीनियर, स्वयं का कोचिंग सेन्टर, पिता-निजी कार्य, गौत्र-गोठवाल, बंशीवाल, मीमरोठ, मो.-9887183044
* बीकानेर निवासी, 28 वर्ष, शिक्षा-बी. फार्मेसी, वर्तमान में एम.आर. का कार्य, पिता-राजकीय सेवा, गौत्र-रेवाड़िया, मेहर, माली, मो.-9602211924
* जयपुर निवासी, 24 वर्ष, शिक्षा-बी. कॉम, वर्तमान में वकील के पास मुंशी का कार्य, पिता-निजी कार्य, गौत्र-टाटीवाल, लालावत, सरकंडी, सामने बैण्डवाल न हो

विस्तृत जानकारी के लिए सम्पर्क करें, **मो.: 9928260244**

शिक्षा में सुधार के लिए... (पृष्ठ 1 का शेष)

ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर कार्यालय के सामने पार्क में कुल 10 बड़े पौधे लगाकर उन पर ट्री गार्ड लगाए गये तथा उनको बड़ा पेड़ बनने तक की देखभाल का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम की शुरुआत समर्पण प्रार्थना के साथ की गई जिसे संस्था के कोषाध्यक्ष श्री रामअवतार नागरवाल ने प्रस्तुत किया। संस्था के संस्थापक अध्यक्ष दौलतराम माल्या ने सभी अतिथियों का स्वागत अभिनंदन करते हुए संस्था के कार्यों की विस्तृत जानकारी दी। माल्या ने कहा कि ''हमारी शिक्षा तब सार्थक होती है जब वह त्याग, सेवा, सहयोग के साथ जुड़ती है। प्रत्येक इंसान को ईश्वर की कृपा से तन, मन, धन मिला है। इस मिले हुए को जरूरतमंद, असहाय, पीड़ित, वंचित वर्ग के लिए समर्पित कर देना ही संस्था का मूल सिद्धांत है।'' इस अवसर पर आयोजित विचार गोष्ठी का विषय ''शिक्षा की दशा, दिशा व उत्कृष्टता में हमारी भूमिका'' रखा गया। विषय पर विशिष्ट अतिथि सेवानिवृत्त जिला एवं सेशन न्यायाधीश श्री उदय चंद बारूपाल ने कहा कि शिक्षा का निजीकरण आज की विकट समस्या है। इसके लिए एक तंत्र विकसित करना जरूरी है। क्योंकि शिक्षा देश के विकास को सीधे तौर पर प्रभावित करती है, सबको समान शिक्षा मिलना बहुत जरूरी है। विचार गोष्ठी में विशिष्ट अतिथि सीताराम स्वरूप (परियोजना अधिकारी), गोपीचंद वर्मा (अधिशासी अभियंता, पी.एच.ई.डी.), इंद्रराज सिंह (सेवानिवृत्त कमांडेंट), डॉ. प्रदीप अस्थाना (समाजसेवी) ने भी शिक्षा सुधार पर अपने विचार व्यक्त किए। समारोह में शिक्षा पर आधारित भावपूर्ण नुक्कड़ नाटक ''जागरूकता'' कंडेरा मूवी थिएटर की ओर से प्रस्तुत किया गया जिसका निर्देशन प्रेम चंद्र कंडेरा सह-निर्देशन श्रीमती शालिनी सिंह ने किया। इस अवसर पर समाजसेवी श्री शंकर लाल शर्मा वार्ड नंबर 47 की पार्षद श्रीमती रामा शर्मा, श्री यादराम कुमावत (जिला उपाध्यक्ष जयपुर शहर भाजपा), एस. के. बैरवा (समाज सेवी), सीनियर एडवोकेट भीमराज टांक (वरिष्ठ पत्रकार व समाजसेवी), श्रीमती सिमरन चौधरी (संस्थापक अध्यक्ष सनशाइन होप समिति संस्था) के मुख्य संरक्षक सी.ए. अंकित जैन के साथ अनेक संरक्षक सदस्य उपस्थित रहे। समारोह में सेवा कार्य कर रहे सभी वालंटियर्स का प्रशंसा पत्र भेंट कर सम्मान किया गया। मंच संचालन दूरदर्शन समाचार वाचक गौरव शर्मा व कवि राम लाल 'रोशन' ने किया।

ये चीजें खूबसूरत बालों की हसरत पूरी करने में करेंगी मदद

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में शरीर के साथ-साथ बालों की भी दुर्गति हो जाती है। काफी लोग इस समस्या से निपटने के लिए तेल और शैंपू बदलते हैं और खानपान पर ध्यान नहीं देते हैं।

मगर इनके साथ-साथ बालों को स्वस्थ रखने के लिए हेल्दी डाइट लेना भी बहुत जरूरी है। ऐसे में बालों को स्वस्थ और मजबूत बनाने के लिए अपने डाइट चार्ट में पोषणयुक्त आहारों को शामिल करें।

साबुत अनाज

साबुत अनाज में जिंक, विटामिन बी और आयरन जैसे पोषक तत्व पाये जाते हैं, जो बालों को स्वस्थ रखने में मददगार होता है। इतना ही नहीं, इससे बाल मजबूत भी होते है और हेयरफॉल की समस्या भी दूर होती है।

हरी सब्जियां

पालक, ब्रोकली व अन्य हरी पत्तेदार सब्जियों में मौजूद आयरन बालों को जड़ों से मजबूत बनाता है इसलिए अपनी डाइट में इसे भी जरूर शामिल करें। इसके अलावा स्प्राउट्स का सेवन भी बालों के लिए फायदेमंद होता है।

डेयरी उत्पाद

डेयरी उत्पाद जैसे दूध, दही और पनीर का सेवन भी बालों के लिए बहुत फायदेमंद होता है। इन चीजों का सेवन न सिर्फ बालों को मजबूत बनाता है बल्कि इससे वह चमकदार भी बनते हैं। इसके अलावा इनमें कार्बोहाइड्रेट्स, विटामिंस, मिनरल्स होते हैं, जो बालों की ग्रोथ बढ़ाने में मदद करते हैं।

अखरोट

रोजाना अखोरट का सेवन बालों को मजबूत और स्वस्थ रखता है। दरअसल, अखरोट में बायोटीन होता है जो बालों की ग्रोथ को बढ़ाने और उसे मजबूत बनाने में मदद करता है। इसके अलावा यह बालों को झड़ने और दोमुंहे होने से भी रोकता है।

नारियल पानी

नारियल पानी से शरीर में पानी की कमी नहीं होती, जिससे आप रूसी की समस्या से बचे रहते हैं।

कैंसर कोशिकाओं को खत्म करने में हल्दी का सत कारगर

भारतीय मसालों का एक अहम हिस्सा हल्दी का सत आसानी से घुल कर ट्यूमर तक पहुंच जाता है और कैंसर कोशिकाओं

को खत्म करता है। हल्दी का चिकित्सा उपचार में काफी महत्व है और बिना पके मांस में रोगाणुओं को खत्म करने में कारगर है। हाल में वैज्ञानिकों ने पता लगाया है कि हल्दी से अलग किए जाने वाले और प्राकृतिक रूप से पाए जाने वाले पदार्थ करक्यूमिन कैंसर कोशिकाओं को खत्म करने का एक प्रभावी एजेंट है।

यूनिवर्सिटी ऑफ इलीनोइस में एसोसिएट प्रोफेसर दीपांजन पान ने बताया कि अब तक करक्यूमिन का पूरा फायदा नहीं उठाया जा सका था क्योंकि यह पानी में पूरी तरह नहीं घुल पाता।

पान के साथ काम करने वाले पोस्ट-डॉक्टोरल शोधकर्ता संतोष मिश्रा ने कहा कि दवा देने के लिए यह जरूरी है कि वह पानी में घुलनशील हो, अन्यथा यह खून के साथ मिलेगी नहीं। अमेरिका में यूटा यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं समेत अन्य शोधकर्ताओं ने प्लेटिनम की मदद से ऐसी प्रक्रिया तैयार की है जो करक्यूमिन की घुलनशीलता को संभव बनाती है।

पत्थर के पुतलों के बजाय जीते-जागते इंसानों पर धनराशि खर्च हो तो बेहतर होगा

वर्तमान में दोनों प्रमुख राजनैतिक पार्टियों में होड़ मची हुई है कि कैसे मतदाताओं को प्रभावित किया जाये ताकि वे आगामी चुनावों में उन्हें ही अधिकतम वोटों से नवाज़े और वे पुन: पाँच वर्षों के लिये शासक बन जायें। दोनों ने ही अपनी-अपनी प्रचार यात्रायें मंदिरों से ही शुरु की है और वर्तमान सरकार ने तो प्रत्यक्ष-परोक्ष रूप से अनेकानेक मंदिरो को खूब फायदा भी पंहुचाया है, ताकि बहुसंख्यक मतदाताओं की नज़र में अपने-आपको धार्मिक साबित कर सके। वैसे तो हर सरकार नर से अधिक नारायण का ख्याल रखती आ रही है, जबकि वोट नर से ही मिलने हैं। हाल ही में खबर मिली कि 2989 करोड़ की भारी धनराशि खर्च कर गुजरात में केन्द्र सरकार द्वारा स्टेच्यू ऑफ यूनिटी बनवाया जा रहा है!

कितने आश्चर्य की बात है कि एक तरफ तो देश की काफी जनता मूलभूत सुविधाओं से वंचित है, कई स्थानों पर पेयजल, बिजली, चिकित्सा, शिक्षा और परिवहन की सुविधायें नहीं है, देश को वास्तविक रूप से चलाने वाला कर्मचारी वर्ग अपने हितों को पाने के लिये तरस रहा है और सरकारें जनता की ही कमाई को ऐसे बेहूदा और निरर्थक कार्यों पर खर्च कर रही है।

स्मारक बनाना विश्व भर में अनादि काल से प्रचलित है। लेकिन स्मारक तभी बनाये जाने चाहिये, जब जनता सभी ओर से खुशहाल हो, राज्य का चँहुमुखी विकास हो रहा हो और किसी प्रकार का कर्ज़ा नहीं हो। आज भारत की दशा को देखते हुए कोई स्टेच्यू बनवाने की सोच सकते हैं? अनेक परियोजनायें वर्ल्ड बैंक के कर्ज़े से चल रही हैं, बाकी कुछ दशा का वर्णन ऊपर किया जा चुका है।

राजस्थान में ही हजारों ऐसे जीते-जागते इंसान हैं जिन्हें कर्मचारी के नाम से जाना जाता है जो कि अपने आधारभूत हितों के लिये लड़ रहे हैं। इनमें कईयों को सातवें वेतन आयोग का तो कइयों को पाँचवें और छठे वेतन आयोग के अनुसार मिलने वाले लाभ का इंतजार वर्षों से है। कितनी ही सरकारें आई और गई, लेकिन इनकी पीड़ा किसी ने न समझी।

किसी भी देश की तरक्की में तकनीकी शिक्षा का महत्त्व कोई नकार नहीं सकता। इसी के बल पर तो देश का हर क्षेत्र में विकास होता है। वैज्ञानिक धरती, आकाश-पाताल के रहस्य खोजते हैं और उनको मानवता के हित में काम लेते हैं। लेकिन दुर्भाग्य है हमारे देश का कि यहाँ के कर्णधारों के इतनी-सी बात समझ में नहीं आती और लगभग पूरी की पूरी तकनीकी शिक्षा निजी हाथों में दे दी है। यहाँ पुराने जमाने के पुष्पक विमानों की तारीफों के पुल बांध सकते हैं लेकिन कभी यह नहीं सोचा कि ऐसे विमान हम अब कैसे बना सकते हैं? सरकारी क्षेत्र में जो तकनीकी और इंजीनियरिंग कॉलेज हैं उनमें स्ववित्त पोषित और नॉन-प्लान के अंतर्गत भर्तियां होती हैं। अधिकतर कॉलेज स्ववित्त पोषित हैं जिसका अर्थ है कि अपनी व्यवस्थायें खुद करें, हम केवल हुक्म चलाने और आपसे काम लेने के लिये ही हैं!!

कितने दुख की बात है कि देश-प्रदेश के लिये इंजीनियर तैयार करने वाले प्रोफेसर्स का आधे से अधिक समय इसी में बीत जाता है कि हमें कैसे हमारे बकाया लाभ मिलें जो कि वर्षों पूर्व मिल जाने चाहिये थे ? क्या एक अच्छी सरकार में यह होना चाहिये कि उसके मातहत कर्मचारी अपने जायज लाभ को पाने के लिये अपने सेवाकाल का आधे से अधिक समय खपा दें ? फिर नेता लोग किस मुँह से कह सकते हैं कि हमारे यहाँ अनुसंधान होने चाहिये, अविष्कार होने चाहिये और अच्छे इंजीनियर निकलने चाहिये? जब पढ़ाने वाले अध्यापकों को हमेशा यही चिंता सताती रहेगी कि सीटें पूरी नहीं भरेगी तो कॉलेज बंद होने पर मेरे भविष्य का क्या होगा, तब क्या तो रिसर्च होगें और क्या अविष्कार ? क्या सरकार में उच्च पदों पर बैठे अधिकारियों को प्रबंधन का छोटा-सा सिद्धान्त समझ में नहीं आता कि अपने कर्मचारियों को नाखुश रखकर कोई भी संगठन तरक्की नहीं कर सकता है?

सरकार ने राज्य के छोटे-छोटे जिलों में इंजीनियरिंग कॉलेज खोल कर वाही-वाही भले ही लूट ली है, लेकिन इनके कर्मचारियों को वेतन, भत्ते और अन्य सुविधायें देने के लिये उसके पास धनराशि नहीं है। ये सब स्ववित्तपोषित योजना में है

अर्थात् फीस की राशि से जो धन प्राप्त हो उसे काम लो और खर्च चलाओ। सीटें खाली रहने का सीधा असर कॉलेज पर पड़ता है। वेतन, प्रयोगशालाओं में मशीने और उपकरण तथा अन्य आवश्यक संसाधन जुटा पाने मुश्किल हो जाते हैं। वर्षों बीत जाने के बाद भी प्रमोशन नहीं मिलता है। इससे आर्थिक नुकसान उठाने के साथ-साथ मानसिक पीड़ा भी भोगना पड़ता है।

सरकार मंदिरों और पत्थर के पुतलों पर खर्च की जाने वाली धनराशि को यदि इन इंसानों पर खर्च करती तो ज्यादा अच्छा रहता क्योंकि इस कदम से कर्मचारियों को उनका हक मिल जाता जिससे वे मन लगा कर काम करते। राशि का सदुपयोग हो जाता और तकनीकी क्षेत्र में नई खोजों को बढ़ावा मिलता।

लेकिन राज्य सरकार को इन बातों से कोई लेना-देना नहीं है शायद। तभी तो सभी अकेडमिक कॉलेजों के सभी प्रकार के खर्चे राज्य सरकार खुद वहन करती है जबकि अकेडमिक कॉलेजों में पढ़ने वाले छात्रों को रोजगार मिलने का प्रतिशत इंजीनियरिंग कॉलेजो की अपेक्षा नगण्य होता है।

अत: राज्य सरकार को चाहिये कि जनता की मेहनत की कमाई पत्थर के पुतलों पर खर्च करने के बजाय उन जीते-जागते इंसानों पर खर्च करे तो बेहतर होगा जो वर्षों से अपने उस हक के लिये लड़ रहे हैं जो उनको कानूनन स्वत: ही मिल जाना चाहिये था।

-श्याम सुन्दर बैरवा
सहायक प्रोफेसर (वस्त्र रसायन)
माणिक्यलाल वर्मा टेक्सटाईल्ज एवं
इंजीनियरिंग कॉलेज, भीलवाड़ा

पहली सरकार... (पृष्ठ 1 का शेष)

उन्होंने कहा कि भामाशाह स्वास्थ्य बीमा योजना और मुफ्त दवा योजना के माध्यम से राज्य सरकार ने आमजन को नि:शुल्क स्वास्थ्य सेवाएं देने के लिए 2,600 करोड़ रुपये की राशि खर्च की है, जिससे 25 लाख से अधिक लोग लाभान्वित हुए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने महिलाओं के विरूद्ध अपराधों और बलात्कार जैसी घटनाओं को रोकने के लिए कड़ी सजा वाले कानून बनाए हैं। उन्होंने कहा कि मार्च 2018 में बच्चियों के साथ दुष्कर्म के लिए फांसी की सजा का कानून लागू किया गया है। इस कानून के लागू होने के बाद अब तक जल्द से जल्द कानूनी प्रक्रिया पूरी कर 3 अपराधियों को फांसी की सजा सुनाई जा चुकी है। उन्होंने कहा कि किसानों को राहत देने के लिए फसल ऋण माफी योजना शुरू की है और इसके साथ-साथ 80 हजार करोड़ रुपये तक के नये फसली ऋण इसी वर्ष देने की योजना बनाई है। उन्होंने कहा कि दुर्घटनावश मृत्यु की स्थिति में किसान के लिए बीमा का कवर भी 50 हजार रुपये से बढ़ाकर 10 लाख रुपये कर दिया है।

श्रीमती राजे ने कहा कि साबरमती और सेई नदियों के अतिरिक्त पानी को बांधों के माध्यम से जवाई बांध में लाने की बांध जल पुनर्भरण योजना से जालोर जिले को भी लाभ होगा। उन्होंने कहा कि 6 हजार करोड़ रुपये लागत वाली इस परियोजना को 2 चरणों में पूरा करने के लिए विस्तृत कार्ययोजना जल्द ही बना ली लाएगी। उन्होंने कहा कि जालोर के बागरा क्षेत्र के 22 गांवों को पेयजल उपलब्ध कराने के लिए रामसीन से बागरा तक पाइपलाइन डालने का काम पूरा करने के लिए राज्य बजट में स्वीकृत 16 करोड़ रुपये की राशि शीघ्र जारी की जाएगी।

विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास

मुख्यमंत्री ने 48 करोड़ 16 लाख रुपये के विकास कार्यों का शिलान्यास एवं लोकार्पण किया। इसके अन्तर्गत उन्होंने 6 करोड़ रुपये की लागत से राजकीय महाविद्यालय भवन आहोर, 7.64 करोड़ रुपये की लागत से निष्क्रमणीय पशुपालकों के बच्चों के आवासीय विद्यालय, हरियाली में अतिरिक्त निर्माण, 10 करोड़ रुपये की लागत से साण्डेराव-मोकलसर एमडीआर सड़क चौड़ाईकरण व नवीनीकरण कार्य एवं 1.85-1.85 करोड़ रुपये की लागत के प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र साकरणा एवं सिवडा के कार्यों का शिलान्यास किया। उन्होंने कुल 27 करोड़ 34 लाख रुपये के कार्यों का शिलान्यास किया।

श्रीमती राजे ने 2.40 करोड़ रुपए की लागत की बागरा-डूडसी-मेडाउपरला सड़क, 13 करोड़ रु लागत के 132/33 केवी ग्रिड सब स्टेशन, भैंसवाड़ा ;आहोरद्ध का लोकार्पण किया। इसी प्रकार मायलावास में 1.73 करोड़ की लागत से, रायपुरिया में 1.29 करोड़, घाणा में 1.20 करोड़ तथा देलदरी में 1.19 करोड़ के 33/11 केवी ग्रिड सब स्टेशन के कुल 20.81 करोड़ रु के कार्यों का लोकार्पण किया गया।

श्रीमती राजे ने समारोह में शुभशक्ति योजना, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना तथा प्रधानमंत्री आवास योजना के 2-2 लाभार्थियों और स्वच्छ भारत मिशन की एक लाभार्थी को प्रमाण पत्र वितरित किए। उन्होंने 2 दिव्यांग बालिकाओं को मोटराइज्ड ट्राई-साइकिल की चाबियां सौंपी। इस अवसर पर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री श्री कालीचरण सराफ, खाद्य मंत्री श्री बाबूलाल वर्मा, महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री श्रीमती अनिता भदेल, सांसद श्री मदनलाल सैनी, श्री रामनारायण डूडी, श्री देवजी पटेल, राजस्थान खादी ग्रामोद्योग बोर्ड के अध्यक्ष श्री जसवंत सिंह विश्नोई, जिला प्रमुख श्री बनेसिंह, विधायक श्री शंकर सिंह राजपुरोहित, श्री अशोक परनामी, श्रीमती संजना आगरी, राज्य अभाव अभियोग एवं निराकरण समिति के अध्यक्ष श्री श्रीकृष्ण पाटीदार, पशुपालक कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष श्री भूपेन्द्र देवासी सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं आमजन उपस्थित थे।

घर-घर जाकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बांटे 50 हजार रक्षा सूत्र

जयपुर। समरसता सम्मेलन आयोजन समिति की ओर से आयोजित सद्भावना रक्षा सूत्र संकल्प अभियान का समापन हो गया। कांग्रेस मीडिया चेयरपर्सन अर्चना शर्मा ने बताया कि सभी समाजों के लोगों के बीच समरसता संकल्प रक्षा सूत्र वितरित करने वाले समरसता सम्मेलन आयोजन समिति के सदस्यों का अभिनन्दन किया।

सद्भावना रक्षा सूत्र संकल्प अभियान के तहत 50 हजार रक्षा सूत्रों का जयपुर के विभिन्न क्षेत्रों में घर-घर जाकर सदस्यों ने सभी समाजों व धर्मों के लोगों की बीच में वितरण किया। अभियान को अंजाम देने में सहयोग करने वाले समस्त सदस्यों को अभिनन्दन पत्र देकर सम्मानित किया गया। उन्होंने कहा कि हमारे कार्यकर्ता घर-घर जाकर सरकार की जनविरोधी नीतियों को बताएंगे।

370 प्रतिभाओं हुई सम्मानित
संगठन का कार्यकर्ता सम्मेलन हुआ संपन्न

जयपुर। डॉ आंबेडकर स्टूडेंट फ्रंट ऑफ इंडिया राजस्थान की ओर से समारोह मुरलीपुरा स्कीम तोनंदवाल मैरिज गार्डन जयपुर पर हुआ आयोजित। प्रदेश स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन एव प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित हुआ।

समारोह मैं संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुख्य अतिथि अभिमन्यु पूनिया थे। अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष राजेश तंवर ने की। विशिष्ट अतिथि लतीफ आरको , इंदिरा सिंह, शाहिद आलम, हाजिर मंजूर अली, राजेश जोया सर्वेश एमटेक, मदन बेनीवाल, रामप्रताप देबाना, बनवारीलाल बुनकर, धर्मराज तलावड़ा, जिला अध्यक्ष विजय बंसीवाल महासचिव पूरणमल बैरवा, छात्र नेता रोहितास भगवान सहाय, पूरणमल बुनकर शाहपुरा, भागचंद बैरवा सियाराम बुनकर सुरेंदर खंडेलवाल प्रदेशभर के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता गण रहे मौजूद समारोह में अतिथियों ने बाबा साहब एवं भगवान बुद्ध की तस्वीर के समक्ष दीप प्रज्वलित कर समारोह की की शुरुआत की गई। समारोह में अतिथियों ने अनुसूचित जाति जनजाति अल्पसंख्यक वर्ग ओबीसी वर्ग को एकजुट होने एवं देश में बने मौजूदा हालात में अपना सहयोग करने और भाई

चारा बनाने के लिए अपील। आपस में प्रेम और भाईचारा बनाने दिया संदेश।

समारोह के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय अध्यक्ष अभिमन्यु पूनिया ने संबोधित करते हुए कहा कि बाबा साहब अंबेडकर एवं मान्यवर कांशीराम की विचारधारा को इस भारत देश की राजनीति में जिंदा रखना ही डासफी का परम कर्तव्य है। राष्ट्रीय सचिव रवि कुमार चिंकारा सहित अन्य गण मान्य ने समारोह को संबोधित किया। समारोह में कक्षा 10वीं 12वीं के छात्र छात्राओं, नवचयनित राजकीय सेवा कर्मचारियों एवं समाज सेवा में उल्लेखनीय योगदान के लिए समाज की विभूतियों को सम्मानित किया गया जिसमें

चंदन वर्मा खेल, पत्रकारिता सुरेश काँस्या फागी, साहित्य शिक्षा, सहित विभिन्न क्षेत्रों में योगदान के लिए समारोह में 370 प्रतिभों को सम्मानित किया गया। सामरोह में 51 किलो वजन की फूल माला पहनाकर स्वागत किया गया। मंच का संचालन राजेश कुमार बुनकर ने किया।

अखिल भारतीय बैरवा महासभा शाखा राजस्थान की बैठक सम्पन्न

जयपुर। अखिल भारतीय बैरवा महासभा (पंजि.) शाखा राजस्थान की प्रदेश कार्यकारिणी एवं जिलाध्यक्षों की बैठक किसान भवन, पुलिस मुख्यालय के पीछे, लाल कोठी सब्जी मण्डी, जयपुर में आयोजित की गई।

प्रदेश महामंत्री एडवोकेट मोहनप्रकाश बैरवा (चाकसू) ने बताया कि उक्त बैठक में मुख्य अतिथि श्रीमान हरिनारायण बैरवा राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिल भारतीय बैरवा महासभा थें तथा अध्यक्षता, प्रदेशाध्यक्ष श्रीमान कजोडमल बैरवा ने की। बैठक में सर्व प्रथम अथितियों द्वारा डॉ. भीमराव अम्बेडकर जी व महर्षि बालीनाथ जी महाराज के फोटो पर माला पहनाकर बैठक की विधिवत शुरुआत की गई।

मुख्यअतिथि माननीय हरिनारायण बैरवा को प्रदेशाध्यक्ष कजोडमल बैरवा,उपाध्यक्ष बाबूलाल महुवा ,प्रदेश महामंत्री एडवोकेट मोहनप्रकाश बैरवा द्वारा स्वागत सम्मान किया गया।

प्रदेश महामंत्री एडवोकेट मोहनप्रकाश बैरवा द्वारा राजस्थान की प्रगति रिपोर्ट में बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष जी के पदभार ग्रहण करने के बाद महासभा ने बडी ही तेजी से विकास की रफ्तार पकडी तथा प्रदेशाध्यक्ष माननीय कजोडमल बैरवा ने राजस्थान में मजबूती से नेतृत्व प्रदान किया जिसके फलस्वरुप राजस्थान में 20 हजार के लगभग सदस्य बनाकर एक नया इतिहास बनाया गया, साथ ही राजस्थान में समाज पर हो रहे अत्याचारो की रोकथाम के लिये राष्ट्रीय अध्यक्ष के नेतृत्व मे केन्द्र/राज्य सरकार व अन्य विभागो मे कार्यवाहियां करके पीड़ित पक्ष को न्याय दिलाने का कार्य किया गया। राजस्थान प्रदेश के द्वारा 16 जिलो में लोकतांत्रिक प्रक्रिया से चुनाव करवाकर जिलाध्यक्ष व उनकी कार्यकारिणी का गठन करवाकर समाज की गतिविधियों को सुचारु रूप से चलवाया जा रहा है।

अखिल भारतीय बैरवा महासभा राजस्थान प्रदेश के लिये बडे ही गौरव की बात है कि महासभा की वर्ष 2013, 2014, 2015, 2016, 2017 की ऑडिट रिपोर्ट करवाई गई जिसके लिये एडवोकेट मोहन प्रकाश बैरवा ने प्रदेश कोषाध्यक्ष श्रीनारायण चन्द्रवाल को धन्यवाद ज्ञापित किया। महासभा की गतिविधियो को सुचारु रूप से चलाने के लिए राजस्थान प्रदेश में कार्यालय/भवन परिसर के लिए जोन-9 में 2000 वर्गगज भूमि एवं महर्षि बालीनाथ महाराज के नाम से जयपुर शहर के प्रमुख मार्ग का नामकरण करवाये जाने बाबत् राज्य सरकार, जयपुर विकास प्राधिकरण व नगर निगम जयपुर से आवंटन/नामकरण करवाने बाबत् राष्ट्रीय अध्यक्ष के नेतृत्व में कार्यवाही की गई। जिसमें राज्य सरकार द्वारा चाही गई सभी कार्यवाही की पूर्ति महासभा द्वारा कर ली गई है। जल्दी ही महासभा को जयपुर में महर्षि बालीनाथ महाराज के नाम से मार्ग का नामकरण व भूमि आंवटन हो जायेगी। साथ ही बैरवा बाहुल्य 16 जिलो में प्रभारी व सहप्रभारी नियुक्त किये गये।

मुख्य अतिथि हरिनारायण बैरवा, राष्ट्रीय अध्यक्ष ने अपने उद्बोधन में बताया कि राजस्थान प्रान्त के शेष रहे सभी जिलो में जिलाध्यक्ष एवं तहसील अध्यक्ष जल्द से जल्द बनाये जावे ताकि संगठन ग्रामीण स्तर तक पहुंच सके। साथ ही राजस्थान में जो अत्याचार हो रहे है उन पर भी पाबन्दी लगाने हेतु अत्याचार निवारण समिति को मजबुत किया जावेगा।

राजस्थान में महासभा की सदस्यता अभियान में भी तीव्रगति लाने के लिए सभी पदाधिकारियो को निर्देर्षित किया कि सभी प्रदेश, जिला व तहसील के पदाधिकारी/कार्यकारिणी सदस्य संरक्षक (राशि 5000) या आजीवन (राशि 1100) अनिवार्य रूप से सदस्य बने। समाज में व्याप्त कुरूतियों को जड़ से मिटाने के लिए विचार व्यक्त किये तथा बालिका शिक्षा, व्यवसाय शिक्षा को बढावा देने के लिए, शिक्षित, संगठित और आगे बढने के लिए प्रेरित किया। नवनियुक्त प्रभारियो व सहप्रभारियो को बधाई दी तथा उन्हे पुरी निष्ठा व ईमानदारी से समाज के कार्यो को आगे बढाने के लिए समाज को मजबूत करने के लिए कहा।

प्रदेश कोषाध्यक्ष श्रीनारायण चन्द्रवाल ने महासभा का आय-व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया व ऑडिट रिपोर्ट के बारे मे सम्पूर्ण जानकारी विस्तार से दी।

बैठक मे उपस्थित प्रदेश पदाधिकारी/कार्यकारिणी सदस्य व जिलाध्यक्षों/महामिंत्रयों ने अपने-अपने विचार व्यक्त किये उपस्थित सभी जिलाध्यक्षों ने अपने-अपने जिले की प्रगति रिपोर्ट पैश की व राष्ट्रीय अध्यक्ष व प्रदेशाध्यक्ष को विश्वास दिलाया कि भविष्य में संगठन की मजबुती के लिए तीव्रगति से सदस्यता अभियान चलाकर महासभा के ज्यादा से ज्यादा सदस्य बनाये जायेगें एवं जिलो व तहसीलों में महासभा द्वारा दिये जाने वाले आदेशो व निर्देषों की पालना करवाये जाने का पूर्ण विश्वास दिलाया।

अध्यक्षता कर रहे प्रदेशाध्यक्ष कजोडमल बैरवा ने मुख्य अतिथि व सभी प्रदेश पदाधिकारी/कार्यकारिणी, जिलाध्यक्ष/महामंत्रियो को सभी ऐजेण्डो का कडाई से पालन करने का व कुरूतियो को त्यागने के लिये प्रेरित किया ! तथा राष्ट्रीय अध्यक्ष हरिनारायण बैरवा से निवेदन किया कि संगठन को निचे के स्तर तक मजबुत बनाने के लिए लिखित में आदेश प्रदान करे तथा मांग करी कि अखिल भारतीय बैरवा महासभा के द्वारा संविधान में संशोधन करवाकर मजबूती प्रदान करे। अन्त मे उपाध्यक्ष माननीय रामेश्वर बंशीवाल जी दोसा ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

कोई भी व्यक्ति-संस्था पुलिस सत्यापन के बिना नौकर, सेल्समैन, चोकीदार, ड्राईवर नहीं रखेंगे

जयपुर। कार्यपालक मजिस्ट्रेट एवं सहायक पुलिस आयुक्त माणक चौक उत्तर श्री बृजेन्द्र सिंह भाटी ने धारा 144 दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अन्तर्गत वृत माणक चौक क्षेत्र में व्यक्तियों व संस्थाओं को पाबन्द किया है कि वे घरेलू नौकर, ड्राईवर, चौकीदार, निजी कर्मचारी, सैल्समेन आदि को उसके पूर्व व्यक्तिगत विवरण व पुलिस सत्यापन कराये बिना नहीं रखेंगे।

कार्यपालक मजिस्ट्रेट एवं सहायक पुलिस आयुक्त ने लोक-शांति एवं लोक व्यवस्था की सुरक्षा हेतु धारा 144 दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अन्तर्गत क्षेत्र में रहने वाले व्यक्तियों, संस्थाओं जो घरेलू नौकर, ड्राईवर, चौकीदार, निजी कर्मचारी, सैल्समेन आदि रखते हैं को पाबन्द किया है कि वे ऐसे व्यक्ति का फोटो सहित पूर्ण विवरण नाम, पता, पिता का नाम, उम्र, जाति, पहचान चिन्ह, पूर्व स्थाई व वर्तमान पता, भाषा, बेसिक फोन नम्बर, सेल्यूलर मोबाईल फोन नम्बर, परिवार के सदस्यों का विवरण, स्थानीय पहचानकर्ता व मूल निवास का पहचानकर्ता का टेलिफोन मोबाईल नम्बर सहित नाम, पता का विवरण, स्थानीय जमानती, रिश्तेदार, जानकार का टेलिफोन, मोबाईल नम्बर सहित नाम व पता का विवरण, पिछले पांच सालों में जहाँ निवास व नौकरी की गई वहाँ के मालिका का नाम पता, अदालत में चल रहे अपराधिक प्रकरणों का विवरण, वैद्य एवं प्रमाणिक पहचान-पत्र की प्रतियाँ आदि की पूर्ण सूचना सुरक्षित रखेंगे तथा इनका पुलिस सत्यापन करवाना सुनिश्चित करें तथा इनकी गतिविधियों की सूचना तत्काल पुलिस थाने को देंगे।

यह आदेश मानव जीवन व लोक व्यवस्था की सुरक्षा के लिए लोक प्रशान्ति विक्षुब्ध होने की स्थिति को निवारित करने के लिए उपरोक्त वर्णित आवश्यकताओं एवं परिस्थितियों के कारण लोकहित में तत्काल प्रभाव से जारी किया है।

यह आदेश एक पक्षीय पारित किया जा रहा है। यह आदेश 22 अक्टूबर, 2018 की सांय तक प्रभावी रहेगा।

हैल्थ टिप्स

- एक ग्राम लवंग (लोंग) चूर्ण को मिश्री की चाशनी व अनार के रस में मिलाकर चाटने से गर्भवती स्त्री के बमन बन्द हो जाते हैं।
- यदि मच्छरों का प्रकोप बढ़ जाता है तो कंडा जलाकर उस पर हींग डाल दें, मच्छर भाग जायेंगे।
- ताजा आंवले का रस नियमित रूप से सेवन करने से भूख तथा नेत्र ज्योति में वृद्धि होती है।
- श्वास, कफ व जुकाम, नजला बार-बार होने की स्थिति में आँवला का रस दो चम्मच, शहद एक चम्मच मिलाकर सेवन करने से चमत्कारी लाभ होता है व बार-बार होने वाले संक्रमण रोगों से बचा जा सकता है।
- खांसी होने पर पुदीने व अदरक का रस थोड़े से शहद में मिलाकर चाटने से खांसी ठीक हो जाती है।
- जुकाम होने पर चाय में अदरक उबालकर पीना चाहिये, इसकी चाय में तुलसी के पत्ते व एक चुटकी नमक डालकर देने से यह और भी गुणकारी हो जाती है।
- कफ जमने या अन्य किसी वजह से गला दुखता हो तो ऐसे में दस ग्राम अदरक का रस और उतनी ही मात्रा में शहद व हल्दी मिलाकर चाटने से लाभ मिलता है।
- त्वचा का रुखापन दूर करने के लिये स्नान करने वाले पानी में नारियल के तेल की कुछ बूंदे डाल लें, त्वचा स्निग्ध रहेगी।

स्वामीत्व, मुद्रक, प्रकाशक, रजनी के लिए एम.बी. प्रिन्टर्स एफ-76 ए, करतारपुरा इण्ड. एरिया मोरानी वर्क्सशॉप के पास जयपुर से मुद्रित एवं सी-57, महेश नगर, 80 फीट रोड, जयपुर-15 (राज.) से प्रकाशित। सम्पादक-भवनेश धावनिया। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र जयपुर होगा। मो.-9928260244, 9829271582 E-mail : shreebaba_2008@yahoo.com